# एम.आर. मोरारका–जीडीसी रूरल रिसर्च फाउण्डेशन

स्टेशन रोड़, नवलगढ़, झुन्झुनूं (राजस्थान)

रविवार, दिनांक 07 सितम्बर, 2014 (दूसरा दिन) पहली गतिविधि

## नवलगढ़ ई–लाईब्रेरी से मिल रही है नई–नई राह

मोरारका फाउण्डेशन ने नवलगढ़ में राज्य का पहला 22वीं सदी का ई–पुस्तकालय भव्य भवन में स्थापित किया जहां पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत माहौल में कागजमुक्त पुस्तकालय का दिवास्वप्न पूरा हुआ। यहां उपलब्ध क्लाइन्ट सर्वर मॉडल आधारित कम्प्यूटर्स के जरिये आधुनिक विश्व की समस्त सूचनाएँ प्राप्त करने के साथ–साथ ई–पुस्तकों एवं ई–पत्र–पत्रिकाओं को पढ़ने की सुव्यवस्था, ऑनलाइन तेजी से बदलते विज्ञान को समझना व सूचनाओं को घटित होते देखना व सुनना ज्ञानार्जन करना सर्वजन हेतु उपलब्ध है। गूगल इज गॉड एण्ड गॉड इज गूगल कहावत को फाउण्डेशन ने नवलगढ़ की जनता को बेहतर तरीके से सहज ही प्रस्तुत कर दिया।

नवलगढ़ ई–लाईब्रेरी में सर्वजन बड़े चाव से आते हैं प्रारम्भ में लगा था स्कूल–कॉलेज के विद्यार्थियों को ही रूचि होगी पर धीरे धीरे प्रगट हुआ कि घरेलु महिलाएं एवं बुजुर्ग साथ ही गांवों से नवलगढ़ में आने वाले ग्रामीण भी उत्सुकता से आना शुरू हुये और अब तो लगता है जैसे उनकी विविध जिज्ञासाओं का समाधान ही मोरारका ई–लाईब्रेरी है। साथ ही विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को डॉक्यूमेन्ट्री फिल्मों के द्वारा आधुनिक विश्व की तमाम जानकारियाँ मिल रही है जैसे – महिला सशक्तिकरण, प्लेनेट अर्थ, कैरियर सम्बन्धित सलाह, इंग्लिश लर्निंग, पृथ्वी की भौतिक सतह से सम्बंधित, मानव शरीर से सम्बन्धित, मैथ्स के सवालों को तीव्र गति से हल करने का आसान तरीका, मेडिटेशन के तरीके, व्यक्तित्व विकास के तरीके, विभिन्न धर्मों की जानकारियाँ, पर्यावरण विज्ञान, कुकिंग टीप्स, ऑनलाइन शॉपिंग, ध्यान तकनीक, व्यवसाय को बढ़ाने हेतु अच्छे गुर–लिडरशीप, मोटिवेशन एण्ड डेन वर्क, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बढ़ते हुए विकास से सम्बन्धित जानकारियाँ मिल रही है।

इस लाईब्रेरी की मदद से विद्यार्थी, घरेलु महिलाएं, बुजुर्ग और नवलगढ़ के आस पास के ग्रामीण अपनी छोटी मोटी जरूरतों को भी इस अत्याधुनिक समाधान केन्द्र पर आकर उनका हल खोज रहे है। आज ई–लाईब्रेरी में नियमित रूप आमजन व विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने वीडियो आधारित अनेकानेक डॉक्यूमेन्ट्री देखकर अपने ज्ञान को बढ़ाया है तथा सूचना तकनीक के बढते हुए युग को महसूस किया है। यहाँ के आमजन ने ऑनलाईन माध्यम से ना केवल कम्प्यूटर चलाना सीखा है वरन् अपने–अपने रूची परक व्यवसायों को सफल बनाने के गुर सीख रहे है एवं विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर, वेबसाईट बनाना, फोटोशॉप कार्य सीखना, कम्प्यूटर की विभिन्न भाषाएं भी ऑनलाईन माध्यम से सीख रहे हैं। बुजुर्ग व्यक्ति यहाँ योग, ध्यान लगाना एवं महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के पकवान बनाना सीखा है। इस वर्ष विभिन्न प्रकार के कैम्प चलाये गये जिसमें आमजन ने उपरोक्त विषयों के बारे में ज्ञानार्जन किया एवं आशा का झरना संस्थान के शारीरिक व मानसिक रूप से विकलांग विद्यार्थियों के लिए तो यह महत्वाकांक्षी साबित हो रही है।

***कार्यक्रम समन्वयक***
***मोरारका फाउण्डेशन***